प्रश्न पत्र ब्लूप्रिन्ट

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– XII | परीक्षा : हायर सेकेण्डरी | पूर्णांकः– 100

विषयः– व्यवसायिक अर्थशास्त्र | समय – 3 घंटे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड (अ)	अंकवार प्रश्नों की संख्या खण्ड (ब)			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1	अर्थव्यवस्था	05	–	–	1	–	1
2	अर्थव्यवस्था में आय ओर रोजगार निर्धारण	10	2	2	–	–	2
3	मुद्रा एवं बैकिंग	05	–	–	1	–	1
4	अर्थव्यवस्था और सरकारी बजट	10	4	–	–	1	1
5	भुगतान संतुलन	10	–	–	2	–	2
6	विनिमय एवं बाजार	10	5	–	1	–	1
7	वितरण	10	4	–	–	1	1
8	राजस्व	10	4	–	–	1	1
9	भारतीय उद्योग	10	4	–	–	1	1
10	अर्थशास्त्र में सांख्यिकी	10	–	1	–	1	2
11	राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं	10	2	2	–	–	2
	योग =	100	25	05	05	05	15 + 5 = 20

निर्देश :–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें । प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है ।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये । यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए ।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

प्रादर्श प्रश्न पत्र

Business Economics

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

समय 3 घंटे　　　　कक्षा XII　　　　पूर्णांक 100

निर्देश : I　सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

II　प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ है । प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 अंक निर्धारित हैं ।

III　प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक ।

IV　प्रश्न क्र. 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक ।

V　प्रश्न क्र. 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 6 अंक ।

VI　प्रश्न क्र. 6 से 20 तक सभी प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प दिये गये है ।

प्रश्न–1　सही विकल्प चुनियें　(5)

1. केन्स ने रोजगार के स्तर में वृद्धि हेतु महत्वपूर्ण माना –

   (i) समग्र मॉग　(ii) समग्र पूर्ति

   (iii) उपर्युक्त दोनों को　(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं ।

2. भारत में बजट पेश किया जाता है –

   (i) लोक सभा के समक्ष　(ii) राज्य सभा के समक्ष

   (iii) उपर्युक्त दोनों के समक्ष　(iv) उपर्युक्त में से किसी के समक्ष नहीं ।

3. जब अनुमानित आगम अनुमानित व्ययों से अधिक दर्शाये जाते है तो यह कहलाता हैं

   (i) संतुलित बजट　(ii) आधिक्य पूर्ण बजट

   (iii) घाटे का बजट　(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं ।

4. वस्तु विनिमय की प्रमुख समस्या है –

   (i) मूल्य संचय सम्भव होना　(ii) मूल्य का मापन होना

   (iii) दोहरे संयोग का अभाव　(iv) वस्तुओं की विभाजकता सम्भव होना

5. पूर्ण बाजार के लिए आवश्यक हैं –

(i) क्रेताओं एवं विक्रेताओं की अधिक संख्या

(ii) वस्तु में विभिन्नता

(iii) परिवहन लागतों की उपस्थिति

(iv) उपर्युक्त सभी ।

प्रश्न– 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (5)

(अ) जिस बिन्दु पर समग्र मॉग एवं समग्र आपूर्ति बराबर होतीं है, उसे ---- कहा जाता हैं ।

(ब) बजट में आय–व्यय की ----- राशि दिखायी जातीं हैं ।

(स) ब्याज प्राप्ति ----- राजस्व हैं ।

(द) बाजार मूल्य मॉग और पूर्ति शक्तियों का ----- सन्तुलन हैं ।

(इ) सामान्य मूल्य ------ होता हैं ।

प्रश्न– 3 एक शब्द में उत्तर दीजिए – (5)

(अ) विनिमय के अन्तर्गत कितने पक्ष होना आवश्यक हैं ?

(ब) पूर्व सीमान्त भूमि की उपज तथा सीमान्त भूमि की उपज के अन्तर को कौनसा लगान कहते है ?

(स) मानव श्रम के बदले में प्राप्त होने वाला प्रतिफल हैं ?

(द) आय के बढ़ने के साथ–साथ जब कर की दर में भी वृद्धि होतीं हैं, तब ऐसे कर को कौन सा कर कहते हैं ?

(इ) मनोरंजन कर कौन सा कर हैं ?

प्रश्न–4 सत्य / असत्य लिखिए : (5)

(अ) कुल लाभ = कुल आगम– स्पष्ट लागतें

(ब) आयकर प्रत्यक्ष कर हैं ।

(स) राजस्व में निजीं फर्मो का अध्ययन किया जाता हैं ।

(द) लघु उद्योग श्रम प्रधान होते हैं ।

(इ) भारत में सूती वस्त्र उद्योग का उदय सन् 1888 में हुआ ।

प्रश्न–5 सही जोड़ी बनाइयें – (5)

(अ)	सकल राष्ट्रीय उत्पाद– मूल्य ह्रास	(i)	आर्थिक स्थिति का सूचक
(ब)	किसी देश की राष्ट्रीय आय	(ii)	शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
(स)	सोयाबीन	(iii)	कोलकाता
(द)	मूँगफली	(iv)	मध्यप्रदेश
(इ)	शक्ति से चालित प्रथम जूट कारखाना	(v)	गुजरात

प्रश्न–6 समग्र मॉग से क्या आशय हैं ? (4)

अथवा

समग्र पूर्ति से क्या आशय हैं ?

प्रश्न–7 उपभोग फलन की मान्यताएँ बताइयें । (4)

अथवा

मुद्रा स्फीति के प्रमुख कारण लिखिए ?

प्रश्न–8 राष्ट्रीय आय लेखांकन से क्या अभिप्राय हैं ? (4)

अथवा

राष्ट्रीय आय एवं राष्ट्रीय पूंजी में अन्तर बताइयें ?

प्रश्न–9 राष्ट्रीय आय के चार महत्व बताइयें ? (4)

अथवा

राष्ट्रीय आय की माप की उत्पाद विधि को संक्षिप्त में लिखिए ?

प्रश्न– 10 सांख्यिकी का क्षेत्र लिखिए ? (4)

अथवा

सांख्यिकी का महत्व लिखिए (कोई चार)

प्रश्न– 11 व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर लिखिए (कोई पॉच) (5)

अथवा

व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्व लिखिए (कोई पॉच)

प्रश्न– 12 मुद्रा के प्रमुख कार्य समझाइयें ? (5)

अथवा

मुद्रा की पूर्ति के निर्धारक तत्वों को समझाइयें ?

प्रश्न–13 भुगतान संतुलन का महत्व लिखिए ? (5)

अथवा

भुगतान संतुलन में असन्तुलन के प्रमुख कारण लिखिए ?

प्रश्न– 14 विदेशी विनिमय दर को प्रभावित करने वाले तत्वों को लिखिए? (5)

अथवा

विदेशी विनिमय दर का अर्थ उदाहरण द्वारा समझाइयें ?

प्रश्न– 15 विनिमय के लक्षण या विशेषताएं लिखिए ? (5)

अथवा

बाजार मूल्य एवं सामान्य मूल्य में अन्तर लिखिए ?

प्रश्न –16 बजट के उद्देश्य लिखिए ? (6)

अथवा

बजट के अवयवों के नाम लिखिए ?

प्रश्न– 17 असल या वास्तविक मजदूरी को प्रभावित करने वाले तत्व समझाइयें ? (6)

अथवा

आर्थिक लगान तथा ठेके के लगान में अन्तर लिखिए ?

प्रश्न– 18 अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएँ लिखिए ? (6)

अथवा

अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त समझाइयें ?

प्रश्न –19 कृषि के औद्योगिकरण की आवश्यकता या महत्व लिखिए (6)

अथवा

सूती वस्त्र उद्योग की प्रमुख समस्याएँ लिखिए ?

प्रश्न– 20 निम्नलिखित आकंड़ों से सरल समूही रीति द्वारा निर्देशांक की गणना कीजिए (6)

वस्तु	मूल्य रू.	मूल्य रू.
	(1990)	(1991)
A	162	171

B	256	164
C	257	189
D	132	145

अथवा

निम्नलिखित आवृति विवरण का मध्यका मान ज्ञात कीजिए –

आयु (वर्ष)	व्यक्तियों की संख्या
25–30	12
30–35	08
35–40	13
40–45	11
45.50	09
50–55	04

आदर्श उत्तर

Business Economics

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

समय 3 घंटे | कक्षा XII | पूर्णांक 100

1. सही विकल्प (5)

1.	(i)	समग्र मांग	2.	(iii)	उपर्युक्त दोनों के समक्ष
3.	(ii)	आधिक्य पूर्ण बजट	4.	(iii)	दोहरे संयोग का अभाव
5.	(i)	क्रेता एवं विक्रेताओं की अधिक संख्या			

2. रिक्त स्थान (5)

(अ)	प्रभाव पूर्ण मांग	(ब)	सकल	(स)	गैर कर
(द)	अस्थाई	(ई)	काल्पनिक		

3. एक शब्द में उत्तर (5)

(अ)	दो	(ब)	आर्थिक	(स)	मजदूरी
(द)	प्रगतिशील	(ई)	अप्रत्यक्ष		

4. सत्य / असत्य (5)

(अ)	सत्य	(ब)	सत्य	(स)	असत्य
(द)	सत्य	(ई)	असत्य		

5. सही जोड़े (5)

(अ) सकल राष्ट्रीय उत्पाद– मूल्य ह्रास (ii) शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

(ब) किसी देश की राष्ट्रीय आय (i) आर्थिक स्थिति का सूचक

(स) सोयाबीन (iv) मध्यप्रदेश

(द) मूॅंगफली (i) गुजरात

(इ) शक्ति से चालित प्रथम जूट कारखाना (iii) कोलकाता

6. समग्र मांग से आशय – समग्र मॉग मुद्रा की वह कुल राशि है जिसे अर्थव्यवस्था में सभी उत्पादक रोजगार के किसी स्तर पर नियोजित श्रमिकों द्वारा उत्पादित वस्तु को बेचकर प्राप्त करने की आशा करते हैं । (4)

अथवा

समग्र पूर्ति से आशय – समग्र पूर्ति मुद्रा की वह न्यूनतम आवश्यक राशि है जो अर्थव्यवस्था में समस्त उत्पादकों को रोजगार के किसी स्तर पर नियोजित श्रमिकों द्वारा उत्पादित वस्तु की बिक्री से अवश्य प्राप्त हो जानी चाहिए ।

7. उपभोग फलन की मान्यताएँ (4)

1. उपभोग व्यय को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक तथा संस्थागत तत्वों में परिवर्तन नहीं होता हैं ।
2. अर्थव्यवस्था में सामान्य परिस्थितियां विद्यमान रहती हैं ।
3. सरकारी हस्तक्षेप का अभाव रहता है ।
4. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था रहती हैं ।

अथवा

मुद्रा स्फीति के प्रमुख कारण –

1. सरकार की मौद्रिक एवं साख नीति
2. घाटे की वित्त व्यवस्था
3. मुद्रा के प्रचलन वेग में वृद्धि
4. जनसंख्या में वृद्धि
5. औद्योगिक कारण
6. प्राकृतिक कारण

उपरोक्त में से कोई 4 कारण संक्षिप्त वर्णन सहित लिखने पर पूर्ण अंक दिये जावें ।

8. राष्ट्रीय आय लेखांकन से आशय :– (4)

राष्ट्रीय आय लेखांकन एवं अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य, विभिन्न उत्पादन साधनों के बीच राष्ट्रीय आय का अन्तप्रर्वाह तथा अर्थव्यवस्था के अन्तिम उपभोग व्यय के क्रमबद्ध सांख्यिकी वर्गीकरण एवं विश्लेषण से संबंधित होता हैं ।

अथवा

अन्तर

राष्ट्रीय आय	राष्ट्रीय पूंजी
(1) राष्ट्रीय आय में सेवाएं शामिल होतीं हैं	(1) इसमें सेवाएं शामिल नही होतीं हैं ।
(2) राष्ट्रीय आय में पूंजीगत तथा उपभोग दोनों वस्तुएँ शामिल होती हैं ।	(2) इसमें केवल पूंजीगत वस्तुओं को शामिल किया जाता हैं ।
(3) आर्थिक क्रियाएँ राष्ट्रीय आय को प्रभावित करती है ।	(3) एक निश्चित समय में यह स्थिर रहती हैं ।

(4) यह एक प्रवाह हैं	(4) यह एक स्टॉक हैं ।

9. राष्ट्रीय आय का महत्व – (4)

(1)	आर्थिक स्थिति का सूचक	(2)	देश के जीवन स्तर का सूचक
(3)	तुलनात्मक अध्ययन में सहायक	(4)	आर्थिक नीति के निर्माण में सहायक
(5)	आर्थिक नियोजन में सहायक	(6)	आर्थिक कल्याण का मापक

(उपरोक्त में से कोई चार संक्षिप्त वर्णन सहित)

अथवा

राष्ट्रीय आय की उत्पाद विधि –

उत्पाद विधि के द्वारा राष्ट्रीय आय ज्ञात करने केग लिए लेखांकन वर्ष में उत्पादित समस्त वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का योग कर लिया जाता हैं ।

10. सांख्यिकी का क्षेत्र या विषय सामग्री (4)

1. सर्वप्रथम संमको को निर्धारित योजना के अनुरूप उचित गति से संकलित करना ।
2. संकलित संमको का प्रस्तुतीकरण करना ।
3. प्रस्तुतीकरण के बाद विश्लेषण करना ।
4. इसके बाद निष्कर्ष निकालना ।

अथवा

महत्व

(1)	उत्पादक के लिए	(2)	व्यापारी के लिए
(3)	प्रशासन के लिए	(4)	बैंकर के लिए
(5)	बीमा कम्पनी के लिए	(6)	अर्थशास्त्री के लिए ।
(7)	एक सामान्य व्यक्ति के लिए महत्व ।		

(उपरोक्त में से कोई चार, संक्षिप्त वर्णन सहित लिखना हैं)

11. अन्तर – (5)

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
(1) इसमें छोटी छोटी वैयक्तिक इकाईयों का अध्ययन किया जाता हैं ।	(1) इसमें इकाईयों के योग का अध्ययन किया जाता है । अर्थात इसमें समग्र का अध्ययन किया जाता हैं ।

(2) यह 'कीमत सिद्धान्त' का विश्लेषण करता हैं ।	(2) यह राष्ट्रीय आय व रोजगार का विश्लेषण करता है ।
(3) इसमें सामान्य कीमत को स्थिर मानते हुए वस्तुओं के सापेक्षिक मूल्यों को परिवर्तन शील माना जाता हैं	(3) इसमें सामान्य मूल्य स्तर को परिवर्तन शील माना जाता है तथा सापेक्ष मूल्यों को स्थिर माना जाता हैं ।
(4) यह व्यक्तिगत संस्थाओं की नीतियों के निर्माण में सहायक हैं ।	(4) यह सम्पूर्ण समाज की नीतियों के निर्माण में सहायक हैं ।
(5) यह 'अन्य बाते समान रहतीं है' की मान्यता रखता हैं ।	(5) यह सामान्य संतुलन को आधार मानता हैं ।

अथवा

व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्व निम्नानुसार हैं :–

(1) यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के व्यवहार को समझने में सहायक होता है ।

(2) यह सिद्धान्त के विश्लेषण में सहायक हैं ।

(3) आर्थिक नियमों के निर्माण में सहायक ।

(4) सरकार की आर्थिक नीति के निर्माण में सहायक ।

(5) वैयक्तिक इकाइयों की कार्यकुशलता में सुधार किया जा सकता है ।

12. मुद्रा के प्रमुख कार्य – (5)

(1) विनिमय का माध्यम (2) मूल्य का मापक

(3) स्थगित भुगतानों का मान (4) मूल्य का हस्तांतरण

(संक्षिप्त वर्णन भी करना है)

अथवा

मुद्रा पूर्ति के निर्धारक तत्व –

(1) प्रारक्षित निधि अनुपात (2) बैंक कोषों का स्तर

(3) नगद मुद्रा तथा जमाओं के प्रति जनता की मनोवृत्ति ।

(संक्षिप्त वर्णन भी करना है)

13. भुगतान संतुलन का महत्व – (5)

(1) भुगतान संतुलन से देश की अन्तराष्ट्रीय स्थिति का सही अनुमान लगाया जा सकता हैं ।

(2) इससे विदेशी व्यापार की स्थिति का पता लग जाता हैं ।

(3) विदेशी ऋण की स्थिति का ज्ञान हो जाता हैं ।

(4) मुद्रा अवमूल्यन के प्रभाव का ज्ञान हो जाता हैं ।

(5) राष्ट्रीय आय पर प्रभाव का ज्ञान हो जाता हैं ।

अथवा

भुगतान संतुलन में असन्तुलन के प्रमुख कारण –

(1) आर्थिक विकास कार्यक्रम
(2) आय एवं कीमत प्रभाव
(3) चक्रीय उच्चावचन
(4) जनसंख्या में वृद्धि
(5) आयात पर प्रतिबन्ध
(6) अन्तर्राष्ट्रीय ऋण

14. विदेशी विनिमय दर को प्रभावित करनेग वाले तत्व– (5)

1. कीमतों में परिवर्तन,
2. आयात एवं निर्यात में परिवर्तन,
3. बैंकिंग संबंधी प्रभाव,
4. सट्टा एवं स्टॉक एक्सचेंज संबंधी प्रभाव,
5. राजनैतिक दशाएँ ।

अथवा

विदेशी विनिमय दर का अर्थ –

अर्थ – दो देशों की मुद्रा इकाईयों के बीच विदेशी विनिमय दर एक देश की मुद्रा की वह मात्रा है जिसके द्वारा दूसरे देश की मुद्रा की एक इकाई को क्रय किया जा सकता हैं ।

उदाहरण – यदि भारत के 50 रूपये इग्लैंड के 1 पौण्ड द्वारा विनिमय किये जाते है तो विदेशी विनिमय दर 1 पौण्ड = 50 रूपये या 1 रूपया = 0.02 पौण्ड

15. विनिमय के लक्षण (5)

(1) दो पक्ष (2) ऐच्छिक विनिमय (3) वैध हस्तान्तरण

(4) पारस्परिक हस्तांतरण (5) वस्तुओं या सेवाओं का होना

(उपरोक्त का वर्णन भी आवश्यक है)

अथवा

	बाजार मूल्य		सामान्य मूल्य
(1)	यह अति अल्पकालीन मूल्य हैं ।	(1)	यह दीर्घकालीन मूल्य हैं ।
(2)	इसमें मॉग एवं पूर्ति का संतुलन अस्थायी रहता हैं	(2)	इसमें स्थायी रहता है ।
(3)	यह मांग से अधिक प्रभावित होता हैं ।	(3)	यह पूर्ति से अधिक प्रभावित होता हैं ।
(4)	यह वास्तविक मूल्य हैं ।	(4)	यह काल्पनिक मूल्य हैं ।

16. बजट के उद्देश्य (6)

(1) आर्थिक नियंत्रण रखना (2) देश की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति करना

(3) आर्थिक स्थिरता बनाये रखना (4) राजकोषीय उपकरण

(5) प्रशासकीय कुशलता को बनाये रखना

(6) योजनाओं से संबंधित बजट प्रावधान रखना ।

अथवा

(1) राजस्व प्राप्तियां (2) पूंजीगत प्राप्तियां

(3) गैर योजना गत व्यय (4) योजनागत व्यय

17. असल या वास्तविक मजदूरी को प्रभावित करने वाले तत्व – (6)

(1) मुद्रा की क्रय शक्ति (2) कार्य का स्वभाव

(3) कार्य करने की दशायें (4) रोजगार की स्थिरता

(5) अतिरिक्त आय

(संक्षिप्त वर्णन भी आवश्यक हैं)

अथवा

अन्तर

आर्थिक लगान	ठेका लगान
(1) इसका निर्धारण पूर्व सीमान्त भूमि तथा सीमान्त भूमि की लागतों के अन्तर से होता हैं ।	(1) यह भूमि की मांग एवं पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों द्वारा निर्धारित होता हैं ।
(2) आर्थिक लगान परिवर्तन शील होता हैं ।	(2) यह स्थायी प्रकृति का होता है ।
(3) इसका पूर्व निर्धारण नहीं होता	(3) इसका पूर्व निर्धारण सम्भव हैं ।

18. अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएँ – (6)

1. अधिकतम सामाजिक लाभ प्रदान करना ।
2. कर प्रणाली का लचीला होना ।
3. सन्तुलित होना ।
4. विभिन्न प्रकार के कर लगाया जाना ।
5. सरलता का गुण होना
6. उत्पादक होना ।

अथवा

अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त

डाल्टन के अनुसार राजस्व से समाज को अधिकतम लाभ उस समय प्राप्त होता है, जबकि कर से उत्पन्न सीमान्त त्याग सार्वजनिक व्यय से मिलने वाले सीमान्त लाभ के बराबर हो जाय ।

उदाहरण तथा चित्र द्वारा स्पष्टीकरण –

तालिका

इकाई	कर से उत्पन्न त्याग	सार्व. व्यय से उत्पन्न लाभ
1	20	85
2	25	65
3	40	40
4	50	32
5	65	25

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जैसे जैसे कर की इकाईयां बढ़ायी जाती है वैसे वैसे कर से उत्पन्न त्याग बढ़ता जाता है और सार्वजनिक व्यय से उत्पन्न लाभ कम होता जाता हैं । कर की तीसरी इकाई से त्याग एवं प्राप्त लाभ आपस में बराबर हैं ।

इस दशा में सामाजिक लाभ अधिकतम होगा ।

19. कृषि के औद्योगीकरण की आवश्यकता के कारण – (6)

(1) निर्धनता (2) मांग में वृद्धि (3) जोतों का छोटा आकार

(4) आय एवं रोजगार में वृद्धि (5) शहरीकरण में वृद्धि

(6) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन एवं वैश्वीकरण की नीति

(कोई 6 वर्णन सहित लिखना हैं)

अथवा

सूती वस्त्र उद्योग की प्रमुख समस्यायें –

1. कच्चे माल का अभाव
2. श्रम समस्या
3. ऊँची लागत एव अधिक कीमत
4. अधिक प्रतियोगिता का सामना करना
5. लाभ कम होना
6. उत्पादन क्षमता का पूर्ण उपयोग न होना

20. निर्देशांक की गणना (6)

वस्तु	मूल्य 1990 (P_0)	मूल्य 1991 (P_1)
A	162	171
B	256	164
C	257	189
D	132	145
योग	807 EP_0	669 EP_1

$$P_{01} = \frac{EP_1}{EP_0} \times 100$$

$$= \frac{669}{807} \times \frac{100}{1} = 82.90$$

$$= 82.90$$

अथवा

मध्यका की गणना

वर्ग	**आवृत्ति**	**संचयी आवृत्ति**
25-30	**12**	**12**
30-35	**08**	**20**
35-40	**13**	**33**
40-45	**11**	**44**
45-50	**09**	**53**
50-55	**04**	**57**
	N= 57	

मध्य का पद $\frac{N}{2} = \frac{57}{2} = 28.5$ जो कि

35–40 वर्ग में हैं

अतः $m = L_1 + \frac{L_2 - L_1}{7} (m - c)$

$$= 35 + \frac{40-35}{13}(28.5-20)$$

$$= 35 + \frac{5}{13} \times \frac{8.5}{1}$$

$$= 35 + 3.3$$

$= 38.3$ **वर्ष मध्य का**